

Regarding issues related to registration of Waqf properties on Umeed Portal

श्री मोहिबुल्लाह (रामपुर): सभापति महोदया, मैं आपकी तबस्सुर से एक बहुत ही अहम मुद्दे की तरफ आपकी तवज्जो दिलाना चाहता हूँ। वक्फ अमेंडमेंट बिल के लिए जेपीसी कमेटी बनाई गई थी, जिस पर हमारी पार्टी ने पहले ही कहा था कि सरकार की नीयत और नीति दोनों ही सही नहीं है। उसमें छह महीने का टाइम मिला और उम्मीद पोर्टल पर 30 परसेंट ही वक्फ जायदादों, मदरसों, मस्जिदों, कब्रिस्तानों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। उसका सर्वर डाउन चल रहा है और उसकी डेट भी खत्म हो गई है। 70 परसेंट वक्फ जायदादों का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है। ऐसा लगता है कि आर्टिकल 25 और 26 को खत्म कर दिया गया है और मुसलमानों की जिंदगी हमारे प्यारे वतन में ही तंग कर दी गई है, जिसकी वजह से वे लोग, जिनके पुरखों ने आजादी की लड़ाई लड़ी थी, मौलाना अरशद मदनी कह रहे हैं कि जुल्म और नाइंसाफी के खिलाफ शायद हमें दोबारा लड़ना पड़ेगा और *

करना पड़ेगा। आखिर मुसलमानों को मुल्क में कब तक दबाया जाता रहेगा। जुल्म बर्दाश्त करने की एक हद होती है। जब बर्दाश्त करने की हद खत्म हो जाती है तो जुल्म और नाइंसाफी के खिलाफ (व्यवधान)

جناب محب اللہ (رامپور): جناب، میں آپ کے ذریعہ سے بہت ہی اہم مسئلے کی طرف آپ کی توجہ دلانا چاہتا ہوں۔ وقف امینڈمنٹ کے لئے جے پی سی کمیٹی بنائی گئی تھی، جس پر ہماری پارٹی نے پہلے ہی کہا تھا کہ سرکار کی نیت اور نیتی دونوں ہی سہی نہیں ہے۔ اس میں 6 مہینے کا ٹائم ملا تھا اور امید پورٹل پر 30 فیصد ہی وقف جائیدادوں، مدرسوں، مسجدوں، قبرستانوں کا رجسٹریشن ہوا ہے۔ اس کا سرور ڈاؤن چل رہا ہے، اور اس کی ڈیٹ بھی ختم ہو گئی ہے۔ 70 فیصد جائیدادوں کا رجسٹریشن نہیں ہوا ہے۔ ایسا لگتا ہے کہ آرٹیکل 25 اور 26 کو ختم کر دیا گیا ہے اور مسلمانوں کی زندگی ہمارے پیارے وطن میں ہی تنگ کر دی گئی ہے۔ جس کی وجہ سے وہ لوگ جن کے بزرگوں نے آزادی کی لڑائی لڑی تھی، مولانا ارشد مدنی کہہ رہے ہیں کہ ظلم اور نا انصافی کے خلاف شاید ہمیں دوبارہ لڑنا پڑے گا اور (کاروائی میں شامل نہیں)۔ کرنا پڑے گا۔ آخر مسلمانوں کو ملک میں کب تک دبایا جاتا رہے گا۔ ظلم برداشت کرنے کی ایک حد ہوتی ہے۔ جب [برداشت کرنے کی حد ختم ہو جاتی ہے تو ظلم اور نا انصافی کے خلاف (مداخلت